रघुनाथन श्रीधर

कर्नाटक वाद्य संगीत – वायलिन

7 फरवरी 1986 को जन्मे श्री रघुनाथन श्रीधर ने कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन) का प्रशिक्षण श्री वी. एस. के. चक्रपाणि से प्राप्त किया। वर्तमान में आप श्रीमती अखिला कृष्णन के संरक्षण में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। आप पिल्लई बानी तथा अयंगर बानी सम्प्रदाय के हैं।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से आपको जूनियर तथा सीनियर फैलोशिप मिल चुकी है तथा आप आईसीसीआर के सूचीबद्ध कलाकार हैं। श्री आर. श्रीधर ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड कलाकार हैं। आपने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी एकल प्रस्तुतियों के साथ ही डॉ. एम. बालामुरलीकृष्णा, श्री टी. वी. गोपालकृष्णन, श्री टी. वी. शंकर नारायणन, श्रीमती नागमणि श्रीनाथ, श्री जी. एस. मणि, श्रीमती सुगुना वरदाचारी सहित कर्नाटक संगीत के कई अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ संगत भी किया है। श्री श्रीधर के बांसुरी वादन के कई रिकॉर्डिंग्स उपलब्ध हैं।

श्री आर. श्रीधर को कई उपाधियाँ और पुरस्कार मिले हैं, जिनमें श्री कांची कामकोटि पीठम द्वारा दिया गया अस्थाना विदवान सम्मान(2012), काला विकास परिषद, गडग द्वारा दिया गया गणयोगी पंचाक्षरी गवई युवा पुरस्कार (2014); कृष्ण गण सभा द्वारा दिया गया रामनद कृष्णन पुरस्कार (2016); तथा श्रृंगेरी शारदा पीठम द्वारा अस्थाना विद्वान सम्मान (2017) प्रमुख हैं।

कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन) के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्री रघुनाथन श्रीधर को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।